

8. उत्कृत्य मेषवृषणाविन्द्रायोपद्रुः R. GORR. 1, 30, 9. तयोरुपाददाङ्गा-
त्रोर्मधु मांसं च संस्कृतम् R. SCHL. 2, 96, 36. — 2) vom Stamme
द्द auf sich nehmen (als Last): स देवान्सर्वानुरस्युपद्रुयं संपश्यन्त्याति
भुवनानि विश्वा AV. 10, 8, 18. aufstellen, aufrechthalten: तस्य ते शर्मन्नुप-
द्रुयमाने राया मदेम तन्वात् तनां च RV. 6, 49, 13. — Vgl. उपदा, उपदान.
— नि, partic. नीत् P. 6, 3, 124, Sch. 7, 4, 47, Sch. 8, 4, 65, Sch. Vop.
26, 126. निदत्त Kār. zu P. 7, 4, 47.

— परिणि, ंद्राति P. 8, 4, 17, Sch.

— प्रणि, ंद्राति P. 1, 1, 20, Sch. 8, 4, 17, Sch. Vop. 8, 22, 10, 9.

— निस्, partic. निर्दत्त P. 7, 4, 47, Sch. Vop. 26, 126.

— परा 1) *hingeben, überliefern; preisgeben; verschleudern*: स सञ्ज-
याय त्वर्षणं परादात् RV. 6, 27, 7. परा नववास्त्वमनुदेयं महे पित्रे द्वादथ स्वं
नयातम् 20, 11. मा नो अग्ने ऽवीरते परा दा: 7, 1, 19. 8, 60, 7. मा नो बधी
रुद्र मा परा दा: 7, 46, 4. 8, 59, 14. न मा इन्द्रस्तस्य परा ददाति *gibt nicht*
Preis d.h. lässt nicht zu Grunde gehen (perdere) 10, 160, 3. 87, 18. मा नो मधुर्वे
निष्पयी परा दा: 1, 104, 5. मा ते अस्या परिष्टावघायं भूम परदि 7, 19, 7.
परा देहि शामुल्यं ब्रह्मभ्यो वि भजा वसु 10, 85, 29. 1, 81, 6. AV. 12, 1, 37.
ÇAT. BR. 14, 3, 4, 6. महे च न तामन्निव: परा प्रुत्कायं देयाम् *hingeben für*
(dat.), umtauschen RV. 8, 1, 5. — 2) *ausschliessen von*: भवं ये बर्हिषो
भागभाजं पराडु: BHĀG. P. 4, 6, 5. — परात् partic. P. 7, 4, 47, Sch. — Vgl.
परादि, परादान.

— परि act. med. (dieses seltener) *übergeben, überantworten, anver-
trauen; niederlegen bei oder in; Jmd Etwas reichen; mit dat. gen. oder
loc. der Person*: त्रिते दुःष्यं सर्वमास्ये परि द्वासि RV. 8, 47, 15. (श्वा-
नौ) ताभ्यामेनें परि देहि 10, 14, 11. (अज्ञम्) परि दत्तात्पितृभ्यः 16, 2, 17,
3. VS. 11, 64, 18, 59. AV. 1, 30, 2. जरायै वा परि द्दामि 3, 11, 7. तस्मा
आत्मानं परि दे 19, 17, 1. तस्मिन्निन्द्रः पर्यदत्त चतुः प्राणमथो बलम् 46,
3. 48, 2. 1, 14, 3. 5, 22, 14. 12, 3, 46. पशून्गुप्त्यै परिददाति ÇAT. BR. 1, 7, 4,
8. 2, 3, 4, 40. अग्रे परिदाय स्वपिति 3, 2, 2, 22. ऀCV. GRHJ. 1, 20, 2, 1.
ÇĀNH. GRHJ. 3, 5. PĀR. GRHJ. 2, 2. प्रजापतेरात्मानं परिददानि KHĀND. UP.
3, 22, 5. तुञ्जाते वृह्यं पर्यः परिदाय रसं डहे RV. 1, 103, 2. — प्रजापतिर्हि
वैश्याय सृष्ट्वा परिदे (परिदेदौ MBh. 12, 2290) पशून् । ब्राह्मणाय च राजे च
सर्वाः परिदे प्रजाः ॥ M. 9, 327. पृथो परिदेदौ तस्मै MBh. 3, 17039. 7,
5146. स्त्रियः पुंसो परिदेदौ मनुजिगमिषुर्दिवम् 13, 2491. 3, 10868. रास्यं परि-
देदौ सर्वं वैश्यापुत्रे 17, 6. यस्मिन्सो परिदद्यात्स्वं सो ऽपि रामो वनं गतः R.
GORR. 2, 84, 6. तत्र सीतां परिदाय 3, 30, 27. बृहस्पतिं परिदातुं मरुते *zur*
Verfügung stellen MBh. 14, 226. fgg. त्वं नः स्वचतुः परिदेहि *verleihe*
BHĀG. P. 3, 5, 50. पारिवर्हान्महाधनान् । देपत्योः पर्यदात्प्रीत्या भूषावसः-
परिच्छदान् 22, 23. partic. परीत् P. 6, 3, 124. (जवः) ष्येने परीत्: VS. 9, 9.
ÇĀNH. GRHJ. 2, 12. परीत् fälschlich st. परीत् MBh. 1, 8437. 14, 1558. —
caus. *übergeben lassen*: (तम्) परिदाप्य युधिष्ठिरे MBh. 13, 445.

— प्र act., selten med. und zwar nur in der älteren Sprache (mit
Ausnahme von NAISH. 6, 95). 1) *hingeben, geben, übergeben, darbrin-
gen, schenken, gewähren, verleihen*: श्रोत्रिष्ठं ते मध्यतो मेद् उद्भूतं प्र ते
वपं द्दामहे RV. 3, 21, 5. 38, 4. (ह्वयानि, प्रादाः पितृभ्यः 10, 13, 12. अह्ये
वा तान्प्रदातु सोमः 7, 104, 9. गोर्शस्य प्र दातु नः VĀLAKH. 4, 5. ÇAT. BR.
1, 8, 13. 2, 1, 8, 6. 5, 1, 8, 2. अथैने मात्रे प्रदाय स्तनं प्रचक्षति 14, 9, 4, 28.
ऀCV. GRHJ. 3, 8, 4, 7. प्रदुडुषे AV. 12, 4, 35. 36. प्र वा घृतस्य निर्णित्रो द-

दीरन् (mit pass. Bed.) RV. 7, 64, 1. प्र वीरया शुचयो दग्निरे (pass.) वाम-
धुर्यभिर्मधुमत्तः सुतासः 90, 1. यद्ब्रह्मभ्यः प्रदीयते (वशा) AV. 12, 4, 33. 40.
ÇAT. BR. 2, 1, 2, 13. 9, 2, 2, 30. — प्रदायोत्कृत्य नेत्रे स्वे R. GORR. 2, 11, 6.
मुहञ्जनं प्रदातुम् MBh. 1, 6219. शिष्यार्थे प्रदीदा चाथ द्रोणाय — पुत्रम् 5,
7547. संप्राप्ताय त्वत्थिये प्रदद्यादासनोदके अन्नं चैव M. 3, 99, 9, 113. MBh.
1, 8470. 3, 15630. 5, 7517. R. 1, 9, 35. 67. 13, 53. शरणां ते प्रदास्यामि 59,
2. तस्मै दीर्घमायुः प्रादात् 62, 26. 3, 53, 15. KATHĀS. 10, 179. BHĀG. P. 8, 19,
29. एकस्याप्यतिथेरन्नं यः प्रदातुं न शक्तिमान् PANĀT. III, 169. M. 3, 108.
सखायं प्रदीदा चास्य चित्रसेनम् MBh. 3, 1795. प्रादात् — शतान्यनुकुं प-
ञ्च द्विजमुष्येषु 2, 1928. पत्किंचिन्मधुना मिश्रं प्रदद्यात् M. 3, 273. प्रददहसु
BHĀG. P. 9, 20, 25. SĪH. D. 39, 14. वीजार्थे यत्प्रदीयते (त्रैत्रम्) M. 9, 53. AṆG.
5, 24. वरम् R. 1, 39, 6. वरमस्याः प्रदीयत HARIV. 9264. *eine Tochter Jmd*
zur Frau geben: शातां तस्मै प्रदास्यति । स्वकां डुहितरं भार्याम् R. 1, 8,
25. अन्त्या चेद्दर्शयित्वाया वेणुः कन्या प्रदीयते M. 8, 204. 9, 47. MBh. 5,
7419. R. 1, 10, 8. 3, 4, 50. PANĀT. 252, 19. KATHĀS. 1, 35. RĀGĀ-TAR. 1, 215.
स्वं (= आत्मानं) प्रागहं प्रादिषि नामराय किं नाम तस्मै मनसा नराय
sich hingeben NAISH. 6, 95. *hingeben so v. a. verkaufen*, mit dem instr.
des Preises: एकैकेन च यत्क्रोतं तच्छक्तेन प्रदीयते PANĀT. I, 17. ऋणाम्
eine Schuld abtragen JĀGĀ. 2, 90. विद्याम् u. s. w. *eine Wissenschaft u.*
s. w. Jmd mittheilen MBh. 1, 103. HARIV. 4908. धनुर्वेदो मम — प्रदीय-
ताम् R. 1, 55, 16. SĀMĀBJAK. 70. प्रतिवचस् Jmd *eine Antwort ertheilen*
MBh. 13, 143. युद्धम्, द्वन्द्वयुद्धम् *mit Jmd einen Kampf, Zweikampf ein-
gehen* R. 4, 9, 49. 6, 6, 13. 1, 73, 4. प्रवृत्तिम् *bekannt machen* MBh. 1, 6306.
wiedererstaten: नष्टं विनष्टं कृमिभिः शकृतं विषमे मृतम् । कृीनं पुरुषका-
रेण प्रदद्यात्पाल एव तु ॥ M. 8, 232. partic. प्रैत् P. 6, 3, 124, Sch. 7, 4,
47, Sch. Vop. 26, 125. *hingegen, dargebracht, geschenkt*: इन्द्राय प्रदात्रे
निर्वपेद्यस्मै प्रतमिव सन्न प्रदीयते TS. 2, 2, 8, 4. ÇAT. BR. 12, 9, 2, 11. अर-
ण्योः प्रतयोः LĀTJ. 4, 9, 15. KĀTJ. ÇU. 15, 7, 13. 26, 7, 34. KATHOP. 1, 25.
BHĀG. P. 5, 26, 18. 6, 16, 3. 9, 11, 6. BHĀTJ. 3, 50. *संध्यामहाबलि* KATHĀS.
25, 135. प्रता *zur Ehe gegeben, verheirathet* ऀCV. GRHJ. 4, 4. PĀR. GRHJ.
3, 10. NIR. 3, 5. JĀGĀ. 3, 4. KATHĀS. 26, 276. BHĀG. P. 3, 22, 24. प्रदत्त = प्रत्त
Kār. zu P. 7, 4, 47. Vop. 26, 125. *hingegen, dargebracht, verliehen, ge-
schenkt, gewährt* PANĀT. 25, 4. 32, 24. 49, 3. तेन सिंहस्यामात्यपदवी प्र-
दत्ता व्याघ्रस्य च शायपालत्वम् 63, 22. KATHĀS. 25, 198. VID. 57. 334. RĀ-
GĀ-TAR. 4, 5. मया तुभ्यमात्मा प्रदत्तो ऽयम् PANĀT. 128, 22. प्रदत्ता *zur Ehe*
gegeben 130, 2. प्रदत्तनयोत्सव *eine Augenweide während* KATHĀS. 13,
128. — 2) *hinein thun, hineinlegen*: ऊतशेषं प्रदद्यात्तु भाजनेषु JĀGĀ. 1,
236. ऊताशनम् *Feuer an Etwas legen*: भवनस्य तव द्वारि प्रदास्यति ऊ-
ताशनम् MBh. 1, 5801. चित्तो कृत्वा सुमहूर्तो प्रदाय च ऊताशनम् 5, 7387.
— Vgl. प्रद, प्रदि, प्रदातर, प्रदातव्य, प्रदान, प्रदाय, प्रदायक, प्रदेय. —
caus. 1) *zu geben veranlassen* TS. 2, 2, 8, 4. वायुर्वै वृष्ट्यै प्रदापयिता । स ए-
वास्मै वृष्टिं प्रदापयति TBr. 1, 7, 1, 1. स एवास्मां श्मो लोकान्विशं प्रदा-
पयति TS. 2, 1, 4, 8. PANĀT. BR. 21, 3. LĀTJ. 9, 8, 2. HARIV. 16198. fg. *zu*
zahlen zwingen KULL. zu M. 8, 51. *zurückzugeben zwingen*: चौरं प्रदाप्या-
पकृतम् JĀGĀ. 2, 270. — 2) *hinein thun —, hineinlegen lassen*: शपास-
र्द्धसादीनि यानि द्रव्याणि कानिचित् । श्रायेयान्युत सतीहृ तानि तत्र प्र-
दापय ॥ MBh. 1, 5723. — Vgl. प्रदापयित्. — desid. med. *zur Frau*
geben wollen DAÇAK. 77, 7.